जो सब्सिडी मिलती है या जो सिक्क टी इण्डस्ट्री है या जो टी प्लांट है, उनको जो सब्सिडी देते हैं, उसमें और ऑर्गेनिक टी प्लांट ग्रोअर्स को कितनी सब्सिडी का अंतर रखा है और उसको लागू किया है या नहीं किया है, यह बताने की कृपा करें?

श्री सभापति : अभी लागू नहीं किया है ।

श्री कमल नाथ : सर, केवल ऑर्गेनिक टी की बात नहीं है, आज हर चीज ऑर्गेनिक बन रही है और इस पर ध्यान जा रहा है तथा इसका ज्यादा उपयोग किया जा रहा है। इसलिए ऑर्गेनिक टी के लिए और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए भी योजना बनाई जा रही है और ऑर्गेनिक टी को हम प्रोमोट करें, यह हमारा प्रयास और इसके बारे में तो भविष्य ही बताएगा, क्योंकि केवल भारत के ऑर्गेनिक टी बना लेने से ही समस्या हल नहीं होगी, बल्कि दूसरे देश भी बनाएंगे, इस पर प्रयास किया जा रहा है ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: दूसरे देश बना रहे हैं ।

सस्ते चीनी टायरों का घरेलू टायर उद्योग पर प्रभाव

*323. **श्रीमती माया सिंह: क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या यह सच है कि भारत में नेपाल और अन्य देशों के रास्ते से बड़ी संख्या में चीनी टायर आ रहे हैं तथा उन्हें सस्ते दामों पर बेचा जा रहा है जिसके फलस्वरूप घरेलू टायर उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है और वह गहरे संकट से गुजर रहा है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है और घरेलू उद्योग को संकट से उबारने तथा चीनी टायरों का देश में अनधिकृत आयात रोकने के लिए अब तक की गई/की जाने वाली कार्यवाही का ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी? नहीं। भारत में बेचे जाने वाले 1 प्रतिशत से भी कम आटोमोटिव टायर चीन के होते हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Effect of cheap chinese tyres on domestic tyre industry

†*323 SHRIMATI MAYA SINGH: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that large number of chinese tyres are coming

---

†Original notice of the question was received in Hindi

to India *via* Nepal and other countries and sold at cheap rates, as a result of which domestic tyre industry is affected adversely and going through a deep crisis; and

(b) if so, the reaction of Government thereto and the details of action taken so far/to be taken to save the domestic industry from this crisis and to stop the unauthorized import of Chinese tyres in the country?

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir. Less than 1 Percent of the automotive tyres sold in India are from China.

(b) Does not arise.

श्रीमती माया सिंह: माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि नेपाल के साथ जो समझौता हुआ है, उसमें वैल्यू ऐडीशन नॉर्म्स क्या हैं? नेपाल से जो टायर्स आ रहे हैं, उसके आंकड़े क्या हैं और उसमें वैल्यू ऐडीशन का सिद्धांत लागू होता है या नहीं?

श्री कमल नाथ: सर, नेपाल में कोई टायर मैन्युफैक्चरिंग नहीं है। नेपाल से कोई टायर हमारे यहां नहीं आ रहे हैं, इसलिए ऐसा कोई प्रश्न नहीं उठता।

श्रीमती माया सिंह: सभापति महोदय, क्या यह सही है कि घरेलू उद्योगों ने इस बारे में शिकायत की है और क्या इसी प्रकार से ASIA के देशों से भी चीन के बने टायर भारत में आ रहे हैं?

श्री कमल नाथ: सर, अपने देश में लगभग 15 करोड़ टायर के उत्पादन की installed capacity है और जहां तक इंपोर्ट का प्रश्न है, 12 लाख टायर अपने देश में इंपोर्ट किए जा रहे हैं। लगभग इसका दो प्रतिशत अपने यहां है। इसमें से 3.6 लाख टायर चीन से आ रहे हैं, it means, it is 6, तो ये आंकड़े देखते हुए, जितना चीन से भी आता है, इसका 50 प्रतिशत ट्रक और बसों का है। तो यह बहुत छोटी संख्या है और यह अपनी टायर इंडस्ट्री को प्रभावित नहीं करती। अगर हम देखें कि क्या टायर ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मंत्री महोदय, आप बहुत लंबा उत्तर देते हैं। यह बहुत समस्या है। ...(व्यवधान)...

श्री कमल नाथ: सर, ये लोग समझ जाएं, इसलिए मेरा प्रयास अपने माननीय साथी को समझाने का है।

श्री सभापति: जैसे चाय वाले प्रश्न पर आपने चाय किसी को नहीं पिलाई, लेकिन चाय सबको दिखा दी। ...(व्यवधान)...

श्रीमती माया सिंह: सभापति जी, मैंने माननीय मंत्री जी से जो सवाल पूछा था, उसका उत्तर न देकर मंत्री जी ने दूसरा उत्तर दे दिया।

श्री सभापति: उत्तर दे दिया है, आपके प्रश्न का उन्होंने दो बार उत्तर दे दिया है। Next Question;

राजधानी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों का सक्रिय होना

†*324. **श्री बलवंत उर्फ बाल आपटे:**
श्री रूद्रनारायण पणि:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राजधानी में तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों में वर्तमान में कई आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं;

(ख) यदि हां, तो सक्रिय आतंकवादी संगठनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि आतंकवादी संगठनों ने पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपना जाल फैला लिया है; और

(घ) राजधानी तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों से इन संगठनों को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी. पाटिल): (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) से (ग) हाल की जानकारियों से पता चलता है कि हिजबे-ए-इस्लामी, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिज्ब-उल-मुजाहिद्दीन और बब्र खालसा इन्टरनेशनल जैसे आतंकवाद संगठन दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्रों के मौजूद है। बब्बर खालसा इन्टरनेशनल के अलावा इन आतंकवादी संगठनों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में अपना नेटवर्क भी फैला रखा है।

(घ) राजधानी से इन आतंकवादी संगठनों का सफाया करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों में शामिल है: (i) ऐसे कुछ क्षेत्रों में गेस्ट हाउसों, होटलों, धार्मिक स्थानों आदि की जांच करना जहां आतंकवादी तत्वों ने विगत में शरण ली हो; (ii) विशेषकर नए और विकसित क्षेत्रों में किरायेदारों की जांच करना; (iii) शहर में चलने वाले वाहनों और आजादपुर

† सभा में यह प्रश्न बलवंत उर्फ बाल आपटे द्वारा पूछा गया।